दमण एवं दीव के 54वें

मुक्ति दिवस के अवसर पर

प्रशासक

दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली का

अभिभाषण

19 दिसम्बर, 2014

दमण एवं दीव के माननीय सांसद, श्री लालूभाई बी. पटेल

दमण जिला पंचायत के अध्यक्ष,

विकास आयुक्त,

पुलिस महानिरीक्षक,

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

संघ प्रदेश दमण एवं दीव प्रशासन के सभी सचिव,

दमण के समाहर्ता,

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (वरिष्ठ श्रेणी),

न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी),

आदरणीय पूर्व सांसद श्री डाह्याभाई पटेल, श्री गोपालभाई टंडेल एवं श्री देवजीभाई टंडेल

दमण एवं दीव के स्वतंत्रता सेनानी,

सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधिगण,

निर्वाचित प्रतिनिधिगण,

सरकारी अधिकारीगण,

यहाँ उपस्थित उद्योगपतिगण,

मीडिया के प्रतिनिधिगण,

भाईयों और बहनों,

प्यारे बच्चों !

दमण दीव ना चौवनवां (54वां) मुक्ति दिवस ना पावन प्रसंगे, हुं दमण अने दीव नी जनता ने हार्दिक अभिनंदन पाठवु छुं । अने ऐमना सुख अने समृद्धि नी कामना करू छुं । दमण दीव ना मुक्ति संघर्ष मां अमूल्य योगदान आपनार सर्व बहादुर नामी-अनामी सैनानियों अने सर्वे लोको ना प्रति आजे हुं आदर नी लागणी प्रगट करू छु ।

आज एक ऐसा अवसर है कि हम गत वर्षों में इस प्रदेश में आई महत्वपूर्ण तब्दीली की समीक्षा करें और इस दौरान यहां के विकास और प्रगति पर नजर डालें । लेकिन हम को उन चुनौतियों पर भी ध्यान देना होगा, जो हमारे विकास में

अवरोध डाल सकते हैं । इस बात का जायजा लेना होगा कि अभी क्या कुछ करना बाकी है, जिससे हम नौजवान पीढ़ी के ख्वाबों की तामील कर सकें ।

जब हम अतीत के पन्नों में झांककर देखें, हम इस बात पर संतोष जता सकते हैं कि इस संघ प्रदेश में चहुमुखी विकास हुआ है । हम इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि दमण एवं दीव का बुनियादी ढांचा सुदृढ है । यहां की सड़कें, पुल, स्कूल एवं अस्पताल की इमारतें बाकी कई राज्यों की तुलना से बेहतर है । यहां के विद्युत नेटवर्क की क्षमता भी उच्चकोटि की है । पिछले पाँच दशकों में दमण में अभूतपूर्व औद्योगिक विकास हुआ है, और आज हम इस बात पर गर्व

महसूस कर सकते हैं कि दमण के उद्योग से होने वाला निर्माण न केवल देश के अलग-अलग हिस्सों में, बल्कि विश्व के हर उन्नत देशों में भी पहुंच रहा है ।

नागरिकों को मूलभूत जनसेवाएं प्रभावी रूप से पहुंचाना हर प्रशासन की सबसे अहम ज़िम्मेदारी है । इस संबंध में प्रशासन ने कई ऐसे कदम उठाए हैं, जिससे पारदर्शिता बढ़े और लोगों को अधिक सहुलियत प्राप्त हो । हमने आज दमण में दो और सरल सेवा केन्द्रों का शुभारंभ किया है, जिससे यहां की जनता भूमि रिकार्ड आसानी से प्राप्त कर सकेगी, बिजली का भुगतान, मोबाईल बिल का भुगतान सहजता से कर पायेगी । आज यहां के लोगों के पास ऐसी सुविधा है,

जिसके जरिये जनता अपने भूमि रिकार्ड ऑनलाईन प्राप्त कर सकती है । **समय सुधिनी सेवा** पारदर्शिता की ओर एक बड़ा कदम है, जिसके चलते 22 महकमों की 125 सेवाएँ समयबद्ध तरीके से लोगों तक पहुंचाई जा रही है । अब हम ऐसी प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत लोगों को तकरीबन हर सेवा ऑनलाईन उपलब्ध करायी जाएगी । भूमि उपयोग को परिवर्तित करने के लिए अब ऑनलाईन आवेदन लिए जाने लगे हैं । जल्द ही भूमि बिक्री अनुमति की सुविधा भी ऑनलाइन उपलब्ध करा दी जाएगी । संघ प्रदेश प्रशासन ने सरकारी कार्यों के लिए शपथपत्र की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया है और सभी महत्वपूर्ण कार्यों में Self

Certification प्रणाली शुरू कर दी गई है । इन सभी कदमों का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक पारदर्शिता को लाना और मानवीय हस्तक्षेप को कम करना है । गरीब आवाम की सुविधा के लिए सस्ते परिवहन के साधन के तौर पर **सारथी बस सेवा** अब सुचारु ढंग से काम कर रही है, जिससे आम आदमी को बहुत राहत पहुंची है ।

हमें इस बात का एहसास है कि संघ प्रदेश को अन्य राज्यों से जोड़ने के लिए सुदृढ़ मूलभूत ढांचे की आवश्यकता है । दमण में पातलिया और बामणपूजा में पुलों का निर्माण किया जा रहा है और यह कार्य जल्द ही

मुकम्मल हो जाएगा । दमणगंगा नदी पर और 5 नए पुल बनाने की योजना तैयार है । इसी प्रकार दीव को गुजरात प्रांत से जोड़ने के लिए दो पुलों का निर्माण किया जा रहा है एवं एक और पुल बनाने की परियोजना है । संघ प्रदेश दमण एवं दीव कई मायनों में अनोखा है, क्योंकि प्रदेश के दोनों हिस्सों के बीच आवागमन हेतु परिवहन का कोई जरिया नहीं है । मुम्बई से दमण समुद्री रास्ते दीव जाने के लिए catamaran सेवा शुरू करने के लिए हमने Shipping Corporation of India के साथ करार किया है । हमें उम्मीद है कि ये सेवाएं शुरू होने से लोगों को आरामदायक यात्रा का एक साधन उपलब्ध हो जाएगा ।

नानी दमण अत्यंत भीड़भाड़ वाला क्षेत्र बन गया है और यहां पर्याप्त पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराना अति आवश्यक है । हमने यह फैसला किया है कि नानी दमण में एक आधुनिक बस स्टैंड बनाया जाएगा और पार्किंग सुविधा को भी बेहतर किया जाएगा । नानी दमण के मुख्य बाजार को भी नए सिरे से विकसित करना बहुत जरूरी हो गया है और इसके लिए हमने एक योजना तैयार की है । दमण में खेलकूद के साधनों का कुछ अभाव है और युवा पीढ़ी की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बांदोडकर स्टेडियम का विकास किया जाएगा और इसके अलावा मोटी दमण के फुटबॉल ग्राऊँड का विकास भी किया जाएगा ।

इस इलाके के औद्योगिक विकास का एक बहुत बड़ा कारण यहां पर उपलब्ध सस्ती बिजली सेवाएँ हैं । इस जरूरत के मद्देनजर हमने transmission की क्षमता बढ़ाने के लिए कई कदम उठाये हैं । आज कचीगाम में 66/11 केवी का सब-स्टेशन भी चालू कर दिया जाएगा । सौर ऊर्जा के जरिए बिजली उपलब्ध कराने के लिए दीव में 3 मेगावाट का एक Plant और दमण में 01 मेगावाट का Plant बनाया जा रहा है । दीव में 6 मेगावाट का एक और Plant लगाए जाने की योजना है । हमारा यह लक्ष्य है कि दीव जिले में बिजली आपूर्ति पूरी तरह सौर ऊर्जा के जरिए किया जाएगा ।

दमण में जलापूर्ति की योजना को लागू किया जा रहा है, जिससे जल-आपूर्ति की क्षमता तीन गुना बढ़ जायेगी और इस योजना के जरिए दमण में अगले तीन दशकों तक पानी का अभाव नहीं होगा । मधुबन डैम canal से एक पाईप लाईन बिछाई जा रही है जिसका कार्य अगले वर्ष जून महीने तक पूरा होने की संभावना है । दुनेठा में एक water treatment plant स्थापित किया जा रहा है । हमें यह आशा है कि यह परियोजना अगले साल अप्रैल तक शुरू हो जाएगी ।

दमण एवं दीव में जल निकासी के लिए परियोजना को लागू करने के लिए निविदा आमंत्रित किए गए हैं । हमें आशा

है कि ये परियोजनाएं अगले डेढ़ वर्षों में लागू कर दी जायेंगी, जिससे प्रभावी तरीके से भूमिगत जल निकासी नेटवर्क और जल उपचार व्यवस्था उपलब्ध होगी । इससे पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सकेगा ।

हमारे संघ प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है । **संजीवनी स्वास्थ्य योजना** लोगों को व्यापक स्वास्थ्य बीमा स्कीम प्रदान करती है और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले और जिनकी वार्षिक आय 01 लाख से कम हो, उन लोगों के लिए प्रीमियम की लागत प्रशासन भरे । स्वास्थ्य संबंधी जांच एवं उपचार के लिए सभी पंचायत क्षेत्रों में नियमित स्वास्थ्य जांच

कैंप लगाये गये हैं । दीव में 60 bed वाला एक नया अस्पताल बनाया जा रहा है । यह कार्य अगले दो महीनों में पूरा हो जाएगा । मरवड के सरकारी अस्पताल में 30 bed वाला नया maternity ward और female surgical ward शुरू कर दिया गया है । हम दाभेल और भीमपोर इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र शुरू करने जा रहे हैं ।

मछुआरे दमण एवं दीव की अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग हैं । इसलिए प्रशासन इस क्षेत्र में विशेष रूप से ध्यान देता आ रहा है । हमारे तटीय किनारों पर मिट्टी या रेत की कीचड़ भरे होने के कारण हमारे मछुआरे भाईओं को निरंतर आवागमन में कठिनाई होती है । दमण एवं दीव के समुद्र

तटों से मिट्टी या रेत की कीचड़ निकालने के लिए हमने Dredging Corporation of India के साथ समझौता किया है । हम आशा रखते हैं कि यह परियोजना दिसम्बर 2015 तक पूरी हो जाएगी और हमारे मछुआरे भाई समुद्र में हर समय सहजता से आवागमन कर सकेंगे । हम मछुआरे भाईयों को सुरक्षा एवं संचार उपकरणों की खरीद के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराते हैं और केरोसिन से चलाये जानेवाले इंजनों की जगह LPG से चलाये जाने वाले इंजन उपलब्ध कराते हैं । हमने दीव में झींगा पालन की स्कीम लागू करने के प्रस्ताव को अंतिम रूप दे दिया है, जिससे 308 हेक्टेयर भूमि में फैले लगभग 80 झींगा फार्मों को

इसका लाभ मिलेगा । झींगा पालन अपने आप में एक लाभदायक पेशा है और इससे गरीब मछुआरों के आय स्तर में बढ़ोतरी होगी । दीव के मछुआरे भाईओं के लिए Dry Dock Platform और berthing सुविधाऐं तैयार की जा रही हैं और मौजूदा जेट्टी को मजबूत बनाया जा रहा है ।

दमण एवं दीव प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है और यहां पर्यटन की असीम संभावनाऐं हैं । हमने दीव में पर्यटन के विकास के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है । इसके अंतर्गत मध्यम आकार वाले और आरामदायक होटलों को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे न केवल भारत से, बल्कि पूरे विश्व से अधिक से अधिक पर्यटक आकर्षित होंगे ।

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने एक विश्व स्तरीय Oceanarium की स्थापना के लिए सैद्धांतिक रूप से अनुमोदन दिया है । यह देश में अपने आप में एक अनूठा आकर्षण केन्द्र होगा और हम आशा करते हैं कि इससे पर्यटन को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिलेगा । दीव में Heritage Walkway को भी सुदृढ किया जा रहा है । हमारा यह मानना है कि दीव में पर्यटन का विकास उसके प्राकृतिक सौंदर्य के अनुकूल होना चाहिए और इसलिए Eco-tourism पर खास तवज्जो दी जा रही है । इस वर्ष हमने दीव-महोत्सव की शुरूआत की है और हमें उम्मीद है कि हर वर्ष यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र होगा।

आपके समक्ष विकास की बातें और आगे की योजनाएं रखने के साथ-साथ मैं अपनी ज़िम्मेदारी समझता हूँ कि दमण एवं दीव के विकास के उन पहलुओं पर भी चर्चा करूं, जहां हमें और तवज्जों की जरूरत है । दमण एवं दीव में शिक्षा के स्तर एवं गुणवत्ता हम सब के लिए चिंता का विषय है । प्रदेश के किसी भी नागरिक को इस बात पर गर्व नहीं होगा कि दमण के सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर संतोषजनक नहीं है । शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है । इस वर्ष दो नोबल पुरस्कार विजेता श्री कैलाश सत्यार्थी और युसुफजाई मलाला ने बच्चों के अधिकारों की ओर पूरे विश्व का ध्यान आकर्षित किया । मैं उस युवा

लड़की मलाला के शब्दों को दोहराना चाहता हूं, जो उन्होंने नोबल पुरस्कार प्राप्त करते हुए कहे : -

" मुझे यह उम्मीद है कि हम अपने बच्चों की शिक्षा के लिए यह अंतिम लड़ाई लड़ रहे हैं । सभी से हम यह चाहते हैं कि वो इस अभियान में हमें अपना समर्थन दें, ताकि इस समस्या का हम जड़ से हल निकाल पाएं । हमने सही दिशा में कई कदम उठाये हैं । अब समय आ गया है कि हम अपनी मंजिल हासिल करने के लिए एक लंबी छलांग लगायें ।"

शिक्षा की गुणवत्ता केवल अच्छे स्कूलों के निर्माण से नहीं होती, इसके लिए समाज में मूलभूत बदलाव लाना होगा । जिस तरह एक कलाकार एक मुज़स्स्मे को तराशता है, अच्छा शिक्षक बच्चों की जिंदगी तराशते हैं । शिक्षा हर समाज की बुनियाद होती है और हर इमारत की मजबूती उसकी बुनियाद से जानी जाती है । शिक्षा ऐसा क्षेत्र है, जहां न तो कोई समझौता होगा न राजनीति और हमें दृढसंकल्प होकर कार्य करना होगा । आनेवाली पीढ़ियों के प्रति यह हमारी साझी जिम्मेदारी है कि हम शिक्षा प्रणाली में बुनियादी बदलाव लाएं । हमें वह निज़ाम बदलना होगा कि गरीब के बच्चे सरकारी स्कूलों में अच्छी शिक्षा प्राप्त न कर पायें और शिक्षा

प्रणाली का लाभ केवल संपन्न लोगों को मिल पाये । इसलिए प्रशासन का सारा ध्यान प्राथमिक कक्षा से कॉलेज तक हर स्तर पर शिक्षा के सुधार के लिए होगा । मैंने कुछ रोज पहले दमण के सभी शिक्षकों से खुलकर चर्चा की और मुझे विश्वास है कि आनेवाले समय में मिलकर हम इस क्षेत्र में कारगर परिवर्तन ला पायेंगे ।

इससे जुड़ा हुआ मुद्दा रोजगार एवं कौशल का है । पर्याप्त कौशल और रोजगार के अवसरों के अभाव में बड़ी संख्या में यहां के युवाओं को लाभप्रद रोजगार नहीं मिल पाता है । इससे सामाजिक संतुलन बिगड़ता है और अराजकता उत्पन्न होती है । हम व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल

विकास केन्द्रों की स्थापना कर तथा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं पोलिटैक्नीक में सुधार सुनिश्चित करेंगे । इससे प्रदेश के युवाओं को सही कौशल प्रशिक्षण मिलेगा एवं रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे ।

माननीय प्रधानमंत्री ने सही मायने में स्वच्छता देश के लिए एक महत्वपूर्ण प्राथमिकता बतायी है । इस वर्ष 02 अक्तूबर को **स्वच्छ भारत अभियान** देश भर में चलाया गया । इस मौके पर मैं गांधीजी के शब्दों को दुहराना चाहूँगा :-

"मुझे हरगिज़ मंजूर नहीं कि कोई गंदे कदमों के साथ मेरी मानसिकता में दखल डाले ।"

मेरा इस प्रदेश के सभी नागरिकों से अनुरोध है कि इस अभियान को सफल बनाने में अपना पूरा योगदान दें । किसी भी बड़े सामाजिक बदलाव में बच्चों और महिलाओं की विशेष भूमिका रहती है । इस अभियान का लक्ष्य महज़ एक दिवस से हासिल नहीं होगा । इसके लिए एक जन आंदोलन चलाना होगा । समाज में स्वच्छता की शुरूआत हमें अपने आंगन से करनी होगी । दमण एवं दीव एक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल के रूप में उभर सकते हैं, लेकिन यह तब तक संभव न हो पाएगा, जब तक हम ये न ठान लें कि हमारा शहर गंदगी रहित होगा, हमारे समुद्रतट स्वच्छ होंगे और सार्वजनिक स्थलों पर प्लास्टिक एवं कोई और कचड़ा दिखाई न देगा ।

हमें यह कबूल करना होगा कि स्वच्छता की जिम्मेदारी केवल सरकार की नहीं है । इसके लिए हमें अपने व्यवहार में बुनियादी तब्दीली लानी होगी । हर पाठशाला, हर कार्यालय, हर इमारत, हर मकान में हमारे दिल और दिमाग की स्वच्छता झलकनी चाहिए । मुझे पूर्ण विश्वास है कि जिला पंचायत और नगरपालिका के सभी चुने हुए प्रतिनिधि इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार करेंगे और स्वच्छता को उच्च प्राथमिकता देंगे । यह सचमुच बहुत दु:ख की बात है कि 21वीं सदी के भारत में आज भी यह वस्तु-स्थिति है कि पुरूष और महिलाएं खुले में शौच करते हैं । माननीय प्रधानमंत्री का यह सपना है कि हमें इस भारत की तस्वीर

बदलनी होगी । लेकिन यह सपना महज शौचालय का निर्माण करके साकार नहीं होगा । इसके लिए हर गांव में, कस्बे में एक बुनियादी बदलाव की आवश्यकता है । लोगों के ज़हन में स्वच्छता और उससे जुड़े स्वास्थ्य के सभी पहलुओं की चेतना जगानी होगी ।

पिछले पांच से भी अधिक दशकों में, दमण में व्यापक औद्योगिक विकास हुआ है । इसका एक प्रमुख कारण भारत सरकार द्वारा यहां दिया गया कर-लाभ था जिससे बड़ी मात्रा में उद्योग पनपा । लेकिन अब लाभों की मियाद खत्म होने जा रही है । यह हम सबकी साझी जिम्मेदारी है कि हम दमण में ऐसा माहौल बनायें कि जिससे उद्योग और निवेश

का इस प्रदेश में खुलकर स्वागत करें । उन्हें यह महसूस कराना होगा कि यहां व्यापार के अनुकूल माहौल है । प्रशासन इस बात के लिए दृढ़संकल्प है कि हम दमण में आर्थिक उदारीकरण एवं सरलीकरण के लिए हर वो कदम उठायेंगे जिससे अधिक से अधिक निवेश हो । हमारा यह मानना है कि उद्योग और रोजगार का आपस में एक अटूट संबंध है और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े । प्रशासन जल्द ही दमण और दीव के लिए एक उद्योग नीति की घोषणा करने जा रहा है, जिससे निवेश की संभावनाएं बढ़ें और लोगों को रोजगार के अवसर मुहैया हो सकें ।

दमण एवं दीव की एक उदारवादी परंपरा है जिसका देश और विदेश के सैलानी वर्षों से लाभ उठा रहे हैं । हमें इस परंपरा को बरकरार रखना है । इसके लिए यह अतिआवश्यक है कि हमारे समाज में ऐसा सुकून का माहौल रहे जिससे अपराध न पनप पाये । स्थानीय पुलिस ने कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए परस्पर कड़ी निगरानी रखी हुई है और सफलतापूर्वक गैर-कानूनी गतिविधियों पर अंकुश लगाया है । हम किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि को किसी सूरत में बर्दाश्त न करेंगे, जिससे दमण के पाक दामन पर कोई भी आंच आये ।

मुझे आपको यह बताते हुए खुशी है कि समुद्रतटीय पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है और दमण-दीव से लगे समुद्रतटों पर कड़ी निगरानी रखे हुए है ।

आज अपना वक्तव्य समाप्त करने से पहले, मैं एक बार फिर आप सबको 54वें मुक्ति दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर सुंदर प्रदेश के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ ।

इस इलाके के सभी जनप्रतिनिधियों और हर दल के राजनेताओं से मुझे और हमारे प्रशासन को पूरा समर्थन एवं सहयोग मिला है, इसके लिए मैं उनका शुक्रगुजार हूँ । इससे भी अधिक यहां के आम नागरिकों से हमें अत्यंत स्नेह मिला

है जो हमारे लिए भरपूर बल का स्रोत है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए आपका प्रशासन निरंतर प्रयास करता रहेगा । हम सबके साझे सपने साकार करने के लिए एक नई भागीदारी की बुनियाद रखनी होगी ।

!! जय हिन्द !!